विश्व में भारत सबसे बड़ा कनेक्टेड देश

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम 2022 के समापन समारोह में कहा

नईदिल्ली । इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि विश्व में भारत सबसे बड़ा 'कनेक्टेड' देश है, जहां 80 करोड़ से अधिक ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता हैं। श्री चंद्रशेखर ने इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम 2022 के समापन समारोह में कहा कि देश में 80 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, जिसके आधार पर हम दुनिया में सबसे बड़े 'कनेक्टेड' देश हैं। भारत-नेट की 5-जी और सबसे बड़ी ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टीविटी नेटवर्क परियोजना के तहत 1.2 अरब भारतीय उपयोगकर्ता होंगे। इस तरह वैश्विक इंटरनेट में हमारी सबसे बड़ी उपस्थिति हो जायेगी।

उन्होंने कहा कि हम आगे और प्रौद्योगिकीय नवोन्मेष की आशा करते हैं। साथ ही हमें यह भी अपेक्षा है कि उन्नत नियामक नीतियां प्रासंगिक बनी रहेंगी। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि सभी हितधारकों की गहरी संलग्नता इस वैश्विक मानक साइबर विधिक प्रारूप के तीसरे चरण के रूप में सामने आयेगी। आशा की जाती है कि इससे भारतीय इंटरनेट और अर्थव्यवस्था में तेजी आयेगी। उन्होंने कहा कि भारत के पास एप्लीकेशनों के समुच्चय के प्रमाणीकरण प्रक्रिया की जबरदस्त क्षमता मौजूद है, जो वह सबके लिये पेश करता है। साथ ही भारत के पास विश्व के दक्षिणी भू-भाग में आने वाले देशों को इंटरनेट की सुविधा सुगम बनाने की भी क्षमता है। ये देश अभी तक अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण में तेजी नहीं ला पाये हैं, जो उनकी अर्थव्यवस्था के इंटरनेट-आधारित होने के लिये जरूरी है। उन्होंने कहा कि जी-20 अध्यक्षता के दौरान प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि वे विश्व के दक्षिणी भू-भाग के उन सभी देशों के लिये इस प्लेटफॉर्म को खोल देंगे, जो देश भारत के मॉडल के अनुसार अपनी डिजिटल अर्थव्यवस्था और अपनी शासन-प्रणाली को बदलना चाहते हैं।

भारत विकासशील देशों के लिए इंटरनेट सुविधा सुगम बनाने में सक्षम

भारत विकासशील और अल्पविकसित देशों के लिए इंटरनेट की सुविधा सुगम बनाने की क्षमता रखता है। भारत के पास विविध प्रकार के इंटरनेट/मोबाइल एप्लीकेशनों के प्रमाणीकरण प्रक्रिया की जबरदस्त क्षमता मौजूद है जो सभी के लिए सुलभ है। भारत 'दक्षिणी दुनिया' (विकासशील देशों) को इंटरनेट सुविधाओं के साथ जुड़ाव बढ़ाने में मदद करने को तैयार है। वह इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम 2022 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह की विषय वस्तु थी। भारत के सशक्तिकरण के लिये प्रौद्योगिकी के दशक का उपयोग। इल्केट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव अल्केश कुमार शर्मा ने भी रविवार को समापन समारोह को संबोधित किया।

बहुत से देश अभी तक अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण में तेजी नहीं ला पाये

कि बहुत से देश अभी तक अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण में तेजी नहीं ला पाये हैं, जो उनकी अर्थव्यवस्था के इंटरनेट-आधारित होने के लिये जरूरी है। उन्होंने कहा कि जी-20 अध्यक्षता संभालने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की है कि विकसशील और अल्पविकसित देशों के लिये इस प्लेटफॉर्म को खोल देंगे, जो देश भारत के मॉडल के अनुसार अपनी डिजिटल अर्थव्यवस्था और अपनी शासन-प्रणाली को बदलना चाहते हैं। भारत-नेट की 5-जी और सबसे बड़ी ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टीविटी नेटवर्क परियोजना के साथ देश में 1.2 अरब उपयोगकर्ता होंगे।

80 करोड़ उपयोगकर्ता के आधार पर हम दुनिया में सबसे बड़े 'कनेक्टेड' देश हैं

हमारे देश में 80 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, जिसके आधार पर हम दुनिया में सबसे बड़े 'कनेक्टेड' देश हैं। भारत-नेट की 5-जी और सबसे बड़ी ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टीविटी नेटवर्क परियोजना के तहत 1.2 अरब भारतीय उपयोगकर्ता होंगे। इस तरह वैश्विक इंटरनेट में हमारी सबसे बड़ी उपस्थिति हो जायेगी। उन्होंने कहा कि देश में ब्राडबैंड सुविधाओं के विस्तार और उपयोग से आगे और प्रौद्योगिकीय नवोन्मेष इंटरनेट अर्थव्यवस्था में तेजी आयेगी। अल्केश कुमार शर्मा आईआईजीएफ में कहा कि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता पहल के अभियान को बल देता है। यह देश की सफलता की अनुकरणीय कहानी है, जो तकनीकी प्रगति के साथ पूरी दुनिया की कहानी बन चुकी है तथा नये भारत को आकार दे रही है।

जियो की 5जी टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करेंगे वनप्लस स्मार्टफोन

बेंगलुरु । प्रीमियम स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वनप्लस ने 5जी स्टैंडअलोन टेक्नोलॉजी के लिए रिलायंस जियो के साथ हाथ मिलाया है। कंपनी ने कहा कि वनप्लास 10 सीरीज के स्मार्टफोन के साथ वनप्लास 9आर, वनप्लस 8, नॉर्ड, नॉर्ड 2टी, नॉर्ड 2, नॉर्ड सीई , नॉर्ड सीई2 और नॉर्ड सीई 2 लाइट के यूजर अब जियो की 5जी स्टैंड-अलोन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसी तरह, वनप्लस 9 प्रो , वनप्लस 9 और वनप्लस 9 आरटी की भी पहुंच जल्द ही जियो ट्रू 5जी नेटवर्क तक हो जाएगी। जियो वनप्लस यूजर के लिए एक खास 'वनप्लस एनीवर्सरी ऑफर' लेकर आया है। ऑफर के तहत उपभोक्ताओं के 10,800 रुपये तक का कैशबैक मिलेगा। ऑफर 13 से 18 दिसंबर तक मान्य है। पहले 1000 लाभार्थियों को अतिरिक्त लाभ मिलेंगे। उन्हें 1499 रुपये का रेड केबल केयर प्लान और 399 रुपये का जियो सावन प्रो प्लान भी मिलेगा। वनप्लस इंडिया के सीईओ नवनीत नाकरा ने कहा ''हम भारत में वनप्लस यूजरों के लिए 5जी तकनीक लाने के लिए जियो टीम के साथ साझेदारी करके खुश हैं। 5जी तकनीक का उपयोग करके यूजर्स निर्बाध, तेज इंटरनेट का अनुभव और आनंद ले सकेंगे। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए 5जी तकनीक को और अधिक सुलभ बनाने के लिए जियो और वनप्लस की टीमें सक्रिय रूप से बैकएंड पर एक साथ काम कर रही हैं और प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में अपनी 5जी प्रौद्योगिकी सेवाओं के विस्तार पर काम कर रही हैं।

शेयर बाजार में गिरावट जारी

सेंसेक्स 51 अंक उतरा, निफ्टी सपाट

मुंबई । केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में बढ़ोतरी के संकेत से विदेशी बाजारों के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, कंज्यूमर ड्येरेबल्स और टेक समेत नौ समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 51.10 अंक फिसलकर 62130.57 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 18497.15 अंक पर सपाट रहा। वहीं, बीएसई का मिडकैप 0.30 प्रतिशत बढ़कर 26,173.00 अंक और स्मॉलकैप 0.36 प्रतिशत चढ़कर 29,665.37 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3786 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1823 में लिवाली जबकि 1757 में बिकवाली हुई वहीं 206 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 28 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 22 में गिरावट का रुख रहा। बीएसई में नौ समूहों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सीडी 0.18, आईटी 0.57, दूरसंचार 0.32, यूटिलिटीज 0.05, ऑटो 0.09, बैंकिंग 0.02, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.97, पावर 0.08 और टेक समूह के शेयर 0.66 प्रतिशत गिर गए।

इन्हें हुआ नुकसान

नुकसान उठाने वाली कंपनियों में एशियन पेंट 1.94, इंफोसिस 1.39, टाइटन 1.24, कोटक बैंक 1.05, भारती एयरटेल 0.86, पावरग्रिड 0.74, एसबीआई 0.55, बजाज फिनसर्व 0.41, सन फार्मा 0.40, टेक महिंद्रा 0.34, एनटीपीसी 0.30, टीसीएस 0.25, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.21, बजाज फाइनेंस 0.18, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.15 और आईसीआईसीआई बैंक 0.15 प्रतिशत शामिल है।

इन्हें हुआ लाभ

मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में टाटा स्टील 1.18, नेस्ले इंडिया 1.13, डॉ. रेड्डी 1.02, विप्रो 0.86, अल्ट्रासिमको 0.80, एचडीएफसी बैंक 0.75, आईटीसी 0.57, इंडसइंड बैंक 0.57, एक्सिस बैंक 0.55, एचडीएफसी 0.49, मारुति 0.39, एलटी 0.36, रिलायंस 0.12 और एचसीएल टेक 0.10 प्रतिशत शामिल है।

रुपया 23 पैसे कमजोर

मुंबई । आयातकों और बैंकरों की लिवाली के साथ ही शेयर बाजार में जारी गिरावट के दबाव में अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 23 पैसे गिरकर 82.51 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 10 पैसे की तेजी लेकर 82.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 26 पैसे लुढ़ककर 82.54 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान लिवाली होने से यह 82.74 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूट गया। हालांकि बिकवाली से समर्थन पाकर यह 82.50 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 82.28 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 23 पैसे गिरकर 82.51 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

वेस्ट- टु-वेल्थ वैल्यू चेन की मजबूती के लिए सरकारों और उद्यमियों से काम करने की अपील

नोएडा। यूफ्लेक्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अशोक चतुवेर्दी ने न्यूयॉर्क में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज की बैठक में एलायंस टु एंड प्लास्टिक वेस्ट बोर्ड की बैठक में मल्टी-लेयर्ड प्लास्टिक को दोबारा रिसाइकिल करने के बारे में अपने विचारों और दृष्टिकोण को साझा किया। यूफ्लेक्स भारत में फ्लेक्सबिल पैकेजिंग मटीरियल और सोल्यूशन के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी है। इस कंपनी को दुनिया भर में मिक्सड प्लास्टिक वेस्ट की रिसाइक्लिंग की पहली कंपनी होने का श्रेय दिया जाता है। कंपनी का रिसाइक्लिंग संयंत्र भारत के एनसीआर क्षेत्र, नोएडा में 1995 से है। कंपनी के रिसाइक्लिंग के दिशा में किए गए प्रयासों की दावोस रिसाइक्लिंग फोरम और भारत सरकार ने पहचान की है। न्यूयॉर्क में हुई एईपीडब्ल्यू की बोर्ड मीटिंग में चतुवेर्दी ने दुनिया भर में मल्टी-लेयर मिक्स्ड प्लास्टिक के लगातार एवं अत्यावश्यक इस्तेमाल का मुद्दा मजबूती से उठाया। यह जरूरी और आवश्यक कई पदार्थों की पैकेजिंग के लिए अवरोधक का काम करते हैं, जिसमें फूड प्रॉडक्ट्स भी शामिल हैं। यह तेज रफ्तार से पैकेजिंग के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इन्हें 100 फीसदी रीसाइकिल किया जा सकता है। चतुवेर्दी की एईपीडब्ल्यू बोर्ड के सामने दी गई प्रेजेंटेशन में नोएडा, पौलेंड और मैक्सिको में यूफ्लेक्स के रिसाइक्लिंग संयंत्र का वर्चुअल दौरा भी शामिल था। इन संयंत्रों में उपभोक्ताओं के इस्तेमाल के बाद मिक्स्ड प्लास्टिक वेस्ट को घरों में काम आने वाले उपयोगी पदार्थों और इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स के रूप में तब्दील किया जाता है। जैसे कूड़ेदान, आउटडोर फर्नीचर और अन्य वस्तुओं का निर्माण रिसाइकिल किए गए प्लास्टिक प्रॉडक्ट्स से किया जाता है। यूफ्लेक्स की नोएडा में एडवांस्ड इंजेक्शन मोल्डिंग की फैक्ट्री है।

आज, यूफलेक्स के रिसाइक्लिंग प्लांट में रिसाइकिल किए गए ग्रैन्यूल्स से सजावटी, क्रियाशील, इंजीनियरिंग पाट्र्स, घरेलू सामान, ऑफिस प्रोडक्ट्स और कई दूसरे सामान बनाए जाते हैं। यूफ्लेक्स ने अभी तक 5 लाख से ज्यादा मल्टी-लेयर मिक्स्ड प्लास्टिक वेस्ट को रिसाइकिल किया है। कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में अपनी पौलेंड और मैक्सिको की साइट्स पर 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। स्थायी लचीले पैकेजिंग सोल्यूशन में इंडस्ट्री का लीडर होने के नाते यूफ्लेक्स ने दुनिया भर में ह्यप्रोजेक्ट प्लास्टिक फिक्स के नाम से स्थिरता लाने की पहल की है।

यह पहल कंपनी के 4 आर के नजरिये से मेल खाती है। कंपनी ने बढ़ते प्लास्टिक के स्टॉक के लिए और वातावरण से प्लास्टिक कचरे को दूर हटाने को एक चुनौती के रूप में लिया है। कंपनी निर्माण के स्त्रोत से ही प्लास्टिक का इस्तेमाल करने में कटौती कर रही है।

कंपनी आमतौर पर पीसीआर से बनी फिल्मों का इस्तेमाल कर रही है। चतुवेर्दी ने कहा उन्होंने कई देशों और क्षेत्रों के ब्रैंड ओनर्स और नागरिक निकायों से आपस में सहयोग करने और रिसाइक्लिंग की वैल्यू चेन को मजबूत करने का आग्रह किया।

एएआई को अक्टूबर तक छह पीपीपी हवाई अड्डों से रियायती शुल्क में 711 करोड़ मिले

नईदिल्ली । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम सहित छह हवाई अड्डों से 710.88 करोड़ रुपये का रियायती शुल्क प्राप्त हुआ है। इन हवाई अड्डों को पिछले पांच वर्षो से सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत पट्टे पर दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने पिछले पांच वर्षों में खुली प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से लखनऊ, अहमदाबाद, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में छह हवाई अड्डों को पट्टे पर दिया है। इन हवाई अड्डों की सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) के तहत बेहतर संचालन, प्रबंधन और विकास के लिए बोली लगाई गई थी। नागर विमानन राज्यमंत्री वी के सिंह ने राज्यसभा को एक लिखित जवाब में बताया कि अक्टूबर 2022 तक, एएआई को इन छह हवाई अड्डों के लिए रियायत पाने वालों से 710.88 करोड़ रुपये की रियायती शुल्क प्राप्त हुआ है। अहमदाबाद हवाई अड्डे के लिए एएआई को 314.03 करोड़ रुपये और जयपुर के लिए 271.11 करोड़ रुपये का एकमुश्त अग्रिम भुगतान प्राप्त हुआ।

गूगल रेटिंग,समीक्षाओं को गलत मानते हैं 45 प्रतिशत लोग : सर्वे

नईदिल्ली । अखिल भारतीय स्तर पर किए गए सर्वेक्षण में लगभग 45 प्रतिशत लोगों ने पाया कि गूगल पर रेटिंग और समीक्षाएं गलत थीं, जबकि 37 ने समीक्षाओं को सकारात्मक रूप से पक्षपाती पाया। ऑनलाइन रेटिंग और समीक्षाओं पर लोकलसर्किल्स का सर्वेक्षण देश के 357 जिलों में 56,000 लोगों के बीच किया गया। इसमें प्रत्येक प्रश्न पर प्रतिक्रियाओं की संख्या भिन्न थी। सर्वेक्षण में पाया गया कि जो लोग गूगल पर संपर्क विवरण या किसी कारोबार का स्थान खोजने के लिए जाते हैं, उनमें से 88 प्रतिशत अक्सर मंच पर समीक्षाओं और रेटिंग से गुजरते हैं। सर्वे के अनुसार, गूगल पर जो उपयोगकर्ता होटल, रेस्तरां, स्टोर, सेवा, पेशेवर, आदि जैसे व्यवसाय के लिए रेटिंग और समीक्षा पाते हैं, उनमें से 45 प्रतिशत ने महसूस किया कि वे बिल्कुल गलत थे और 37 प्रतिशत लोगों को आमतौर पर वह सकारात्मक रूप से पक्षपाती लगा। संपर्क करने पर, गूगल के प्रवक्ता ने कहा कि कुछ गूगल उत्पादों पर उपलब्ध समीक्षा सुविधा का उद्देश्य वास्तविक अनुभवों और सूचनाओं के आधार पर उपयोगी जानकारी साझा करना है। प्रवक्ता ने कहा कि हम लोगों को गूगल पर विश्वसनीय स्थानीय जानकारी खोजने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश करना जारी रखेंगे। सर्वेक्षण के अनुसार, इसमें शामिल केवल तीन प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें गूगल पर पोस्ट की गई रेटिंग और समीक्षाओं में बहुत अधिक भरोसा है। वहीं सात प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्हें इन समीक्षाओं पर 'शून्य' विश्वास था।

एफएमसीजी कंपनियों की राजस्व वृद्धि सुस्त रहने का अनुमान

मुंबई । सुस्त ग्रामीण मांग और ऊंची मुद्रास्फीति के बीच रोजाना के इस्तेमाल का उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों को चालू और अगले वित्त वर्ष में राजस्व वृद्धि दर सुस्त यानी 7-9 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। यह पिछले वित्त वर्ष में 8.5 प्रतिशत थी। इस एफएमसीजी क्षेत्र के कारोबार का आकार 4.7 लाख करोड़ रुपये का है जिसका लगभग 40 प्रतिशत भीतरी इलाकों के बाजारों से आता है। ये बाजार कोविड महामारी के बाद से उच्च मुद्रास्फीति, कम वेतन और अधिक नौकरियां जाने के मामलों से प्रभावित हुए हैं। क्रिसिल ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि एफएमसीजी क्षेत्र की राजस्व वृद्धि इस वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में 7-9 प्रतिशत पर सुस्त बनी रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष में 8.5 प्रतिशत थी। वहीं कारोबार के आकार की वृद्धि पिछले वित्त वर्ष के 2.5 प्रतिशत से घटकर लगभग 1-2 प्रतिशत रह जाएगी।

सभी मंत्रालय, विभाग 15 साल पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलेंगे : वित्त मंत्रालय

नईदिल्ली । वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को 'सर्विसिंग' किये जाने के लायक नहीं रहे 15 साल पुराने सभी वाहनों को कबाड़ में बदलने को कहा है। वित्त मंत्रालय के अतंर्गत आने वाला व्यय विभाग ने कार्यालय ज्ञापन में कहा कि प्रदूषण को कम करने और यात्री सुरक्षा तथा ईंधन दक्षता में सुधार के सरकार के व्यापक उद्देश्यों पर विचार करते हुए नीति आयोग और सड़क परिवहन मंत्रालय के परामर्श से 15 साल पुराने या 'सर्विसिंग' के लायक नहीं रहे वाहनों को लेकर मौजूदा प्रावधानों पर पुनर्विचार किया गया है। आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया है, इसीलिए यह निर्णय किया गया है कि मंत्रालयों/विभागों के 15 साल पुराने या 'सर्विसिंग' के लायक नहीं रहे वाहनों को कबाड़ में ही बदला जाएगा। इसमें कहा गया है कि ऐसे वाहनों को केवल पंजीकृत वाहन कबाड़ केंद्र पर ही निपटान किया जएगा।

खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में 5 .88 प्रतिशत घटी, औद्योगिक उत्पादन अक्टूबर में चार फीसदी गिरा

आंकड़ों के अनुसार पिछले 11 महीनों में खुदरा महंगाई का सबसे निम्न स्तर

नईदिल्ली । खुदरा मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फिति नवंबर 2022 में गिरकर 5.88 प्रतिशत रही, जिससे नीतिगत ब्याज दर में रिजर्व बैंक द्वारा लगातार वृद्धि दर थमने की उम्मीद जगी हैं।

सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 11 महीनों में खुदरा महंगाई का सबसे निम्न स्तर हैं। इससे पिछले महीने अक्टूबर में खुदरा महंगाई 6.77 प्रतिशत थी। संख्यायकी एवं क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा आज यहां जारी एक अन्य आंकड़े के अनुसार अक्टूबर 2022 में विनिर्माण क्षेत्र में बड़े संकुचन के चलते औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर चार प्रतिशत नीचे रहा। खुदारा मुद्रास्फिति दिसंबर 2021 के बाद पहली बार छह प्रतिशत के रिजर्व बैंक के ऊपरी स्वीकार दायरे से नीचे आयी है। सरकार ने रिर्जव बैंक को खुदरा मुद्रास्फिति दो से छह प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया हैं। भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रास्फिति को काबू में रखने के लिए नीतिगत ब्याज दर (रेपो) को चालू वित्त वर्ष में लगातार 2.25 प्रतिशत बढ़ा चुका हैं। इसी माह 0.35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.25 प्रतिशत के साथ हैं। मुद्रा स्फिति में नवंबर में नरमी से उम्मीद हैं कि रिवर्ज बैंक का कर्ज महंगा के लिए रेपो दर में वृद्धि करने का सिलसिला थम सकता हैं। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की पिछली बैठक के बाद कहा था कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 में खुदारा मुद्रा स्फिति 6.7 के आसपास रह सकती है। अक्टूबर दिसंबर तिमाही में खुदारा मुद्रास्फिति 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया हैं।